



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बृहस्पतिवार, १ मार्च, १९८९/१० फाल्गुन, १९१०

हिमाचल प्रदेश सरकार

FOOD AND SUPPLIES DEPARTMENT NOTIFICATION

Mandi, the.....

NO. FDS. MND. (A) (3) 48/81-V.—In continuation to this office notification No. FDS. MND. A(3) 48/81-345-429 and in exercise of the powers conferred upon me under clause 3 (1) (e) of the H. P. Hoarding and Profiteering Prevention Order, 1977, I, Dr. A. R. Basu, District Magistrate, Mandi district, Mandi H. P., do hereby order that the rate so fixed vide notification referred to above shall continue to remain in force for a further period of two months w.e.f. the date of publication of the aforementioned notification.

Dr. A. R. BASU,
District Magistrate Mandi, District Mandi,
Himachal Pradesh.

पर्यटन विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-171002, 18 नवम्बर, 1988

संख्या 6-37/88-पर्यटन (सचि०).—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः महाल जुगेहड़, मौजा बन्डी, तहसील बंजी जिला कांगड़ा में हवाई पतन (एयर पोर्ट) गल के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अत्यावश्यक अपेक्षित है। अतः एव एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि नीचे विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-4 के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों, एवं श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित या अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकृत करते हैं।

4. अत्याधिक आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के अधीन यह भी निर्देश देते हैं कि उक्त अधिनियम की धारा 5-ए के उपबन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे।

विवरणी

			1	2	3
जिला: कांगड़ा					
तहसील: कांगड़ा					
गांव	खसरा नं०	रकबा हैक्टर			
1	2	3			
जुगेहड़/बन्डी					
	464/3/1	0 07 24	84	0 06	08
	465/3/1	0 20 32	85	0 04	72
	467/3/1	0 03 14	86	0 05	24
	513/489/1	0 03 99	87	0 03	71
	514/489/1	0 09 98	530/90	0 03	45
	4/1	0 82 77	531/90/1	0 02	41
	4/2	0 01 44	532/91	0 01	20
	519/51	4 96 17	533/91/1	0 05	47
	80	0 07 48	534/92	0 01	60
	81	0 06 51	535/92	0 12	61
	82	0 19 52	536/92	0 11	40
	83	0 06 30	537/93	0 03	06
			538/93	0 03	08
			539/93	0 03	04
			540/93	0 02	10
			541/93	0 03	08
			542/95	0 12	62
			543/95	0 10	19
			77	0 06	50

1	2	3	1	2	3
96	0 08	09	141	0 26	24
97	0 07	15	142	0 03	75
98/1	0 03	53	143	0 01	45
544/99	0 01	98	144	0 06	32
545/99/1	0 00	75	145	0 01	58
100	0 02	78	146	0 03	42
101	0 00	40	147	0 05	50
102	0 07	67	148	0 03	94
103/1	0 09	75	149	0 02	04
104/1	0 10	23	150	0 03	64
114/1	0 01	92	151	0 06	61
546/115/1	0 01	66	152	0 04	99
120/1	0 00	49	153	0 02	16
121/2	0 00	10	154	0 06	79
122/2	0 02	38	155	0 22	54
124/2	0 02	13	156	0 00	56
125	0 19	13	157	0 01	19
126	0 24	46	158	0 07	83
127	0 05	95	159	0 20	82
128	0 02	08	160	0 10	50
128/1	0 02	38	161	0 04	96
128/2	0 02	20	163	0 01	35
552/129/1	0 40	95	164	0 01	71
552/129/2	0 34	71	165/1	0 03	58
553/129	0 04	74	166	0 00	58
554/130	0 02	19	167	0 05	18
556/130	0 01	40	169/1	0 03	30
558/130	0 02	94	170/1	0 02	62
131	0 02	28	557/171/1	0 04	22
132	0 05	92	172/1	0 0	48
133/1	0 09	23	173/1	0 01	22
133/2	0 05	44	175/2	0 04	75
134	0 05	79	176/1	0 00	22
135	0 02	64	177/2	0 00	48
136	0 03	74	178/2	0 06	39
137	0 16	19	179/2	0 03	08
138	0 03	93	214/2	0 02	84
139	0 02	50			
140	0 01	08	कुल किता .. 107	12 19	13

शिमला-171002, 18 नवम्बर, 1988

संख्या 6-37/88-पर्यटन (सचि०).—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः महिला भंडी, मौजा बन्डी, तहसील व जिला कांगड़ा

में हवाई पत्तन (एयर पोर्ट) गगल के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अत्यावश्यक अपेक्षित है। अतएव तत् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि नीचे विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों एवं श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित या अनुमत: सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकृत करते हैं।

4. अत्याधिक आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के अधीन यह भी निदेश देते हैं कि उक्त अधिनियम की धारा 5-ए के उपबन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे।

विवरणी

			1	2	3
ज़िला: कांगड़ा					
तहसील: कांगड़ा				55/1	0 10 56
				56/1	0 09 03
गांव	खसरा नं०	रक्बा हैक्टेयर		57/1	0 04 22
1	2	3		66/1	0 01 36
भड़ी (बण्डी)	13/1	0 07 11		जोड़	0 32 70
	54/1	0 00 42			

शिमला-171002, 18 नवम्बर, 1988

संख्या 6-37/88-पर्यटन (सचि०).—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः महाल सनौरा, मौजा दुगियारी, तहसील व जिला कांगड़ा में हवाई पत्तन (एयर पोर्ट) गगल के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अत्यावश्यक अपेक्षित है। अतएव एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि नीचे विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों एवं श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और उस धारा द्वारा अपेक्षित या अनुमत: सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकृत करते हैं।

4. अत्याधिक आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के अधीन यह भी निदेश देते हैं कि उक्त अधिनियम की धारा 5-ए के उपबन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे।

विवरणी

1

2

3

जिला: कांगड़ा

तहसील: कांगड़ा

गांव

खसरा नं०

रकबा हेक्टेयर

1

2

3

महाल सनौरा

434/1

0 02 92

मौजा दुगियारी

435

0 00 52

436

0 00 32

437

0 00 62

438/1

0 00 54

439/1

0 00 04

440

0 00 80

441

0 00 15

442

0 02 35

443

0 01 01

444

0 01 88

445

0 02 86

446

0 02 41

447

0 00 66

448

0 00 39

449

0 00 28

450

0 00 15

451

0 00 25

452

0 00 60

453

0 01 47

822/454

0 02 49

823/454

0 02 43

455/1

0 06 99

456/1

0 08 31

457

0 00 55

458

0 00 35

459

0 00 20

460

0 00 51

461

0 00 66

462

0 00 42

463

0 00 40

464

0 00 50

465

0 00 66

469/1

0 00 12

470/1

0 05 57

471

0 01 26

472

0 00 30

473

0 01 60

474

0 03 39

475/1

0 03 09

485

0 07 25

488/1

0 16 16

489

0 01 94

490

0 21 16

491

0 00 80

492

0 22 78

493

0 01 32

494

0 10 39

824/495

0 07 73

825/495

0 11 41

496

0 00 48

497

0 00 39

498

0 13 33

499

0 14 77

501

0 01 20

502

0 00 35

503

0 00 50

504

0 00 16

505

0 01 02

507

0 01 47

508

0 02 06

509

0 01 90

510

0 01 05

511

0 01 72

512

0 02 66

513

0 00 40

514

0 01 26

515

0 00 09

516

0 01 98

517

0 02 88

518

0 03 87

519

0 04 34

520

0 02 85

521

0 02 24

522

0 01 64

523

0 04 16

524

0 03 79

525

0 01 23

526

0 02 28

528

0 00 42

529

0 41 04

533

0 01 08

558/1

0 00 39

1	2	3	1	2	3
	559/1	0 00 06		587/1	0 00 42
	580/1	0 00 58		584/1	0 00 09
	583/1	0 00 09			
	586/1	0 04 21	कुल	89	2 86 41

शिमला-171002, 18 नवम्बर, 1988

संख्या 6-37/88 पर्यटन (सचि०).—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः महाल रिच्छयालू, मौजा बन्डी, तहसील व जिला कांगड़ा में हवाई पत्तन (एयर पोर्ट) गल के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अत्यावश्यक अपेक्षित है। अतएव एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि नीचे विवरणी में निदिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत अधिकारियों, उनके कर्मचारियों एवं श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्षण करने और इस धारा द्वारा अपेक्षित या अनुमत सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकृत करते हैं।

अत्याधिक आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के अधीन यह भी निर्देश देते कि उक्त अधिनियम की धारा 5-ए क उपबन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे।

विवरणी		1	2	3
जिला: कांगड़ा	तहसील: कांगड़ा		768	0 06 81
			769	0 08 56
गांव	खसरा नं०	रकबा हैक्टेयर	770	0 12 90
1	2	3	771	0 06 93
			772	0 01 52
रिच्छयालू बन्डी	738/2	0 00 22	773	0 02 78
	743/2	0 05 34		(0 01 78)
	744/1	0 19 91	774	0 02 16
	745/1	0 00 41	775	0 13 62
	748	0 37 71	776	0 00 52
	751/1	0 26 42	777	0 03 45
	760/1	0 04 04	778	0 05 41
	761/1	0 04 25	779	0 05 60
	762	0 02 07	780	0 14 82
	763	0 06 08	781	0 13 01
	764	0 06 36	782	0 08 21
	765	0 03 11	783	0 16 23
	766	0 02 72	784	0 14 74
	767	0 00 80	786	0 02 21

1	2	3	1	2	3
	787/2	1 57 06			
	788	0 01 44		968/1	0 01 08
	789	0 03 61		970/1	0 00 38
	790	0 01 80		978/1	0 00 70
	791	0 00 27		979/1	0 01 15
	792/1	0 01 89		980/1	0 00 12
	793/1	0 18 84		1051/1	0 01 56
	950	0 21 02		1052/1	0 00 50
	951	0 07 00		1053/1	0 01 21
	952	0 07 04		1054/2	1 33 22
	953	0 16 32		1055	0 31 13
	954	0 00 46		1056	0 17 23
	955	0 00 23		1057/1	0 14 43
	956	0 00 36		1060/1	0 03 98
	957	0 00 30		1062/1	0 12 10
	958	0 00 64		1068/1	0 02 59
	960	0 87 08			
	961	0 00 76	जोड़ ..	71	8 48 36
	962	0 03 92			
	963	0 04 68			
	964/1	0 07 51			आदेश द्वारा,
	965/1	0 14 51			
	966	0 00 72			ए0 एन0 विद्यार्थी,
	967	0 03 38			वितायुक्त एवं सचिव (पर्यटन) ।

कार्यालय अतिरिक्त उपायुक्त, मण्डी जिला मण्डी

कारण बताओ नोटिस

मण्डी, 21 नवम्बर, 1988

संख्या पी0 सी0 एन0-मण्डी-ए(8) 16/83-4899.—क्योंकि श्रीमती विरसी पत्नि श्री नन्द लाल, निवासी बाग ने श्री बृज लाल, प्रधान ग्राम पंचायत थिस्ती, विकास खण्ड गोहर पर आरोप लगाया है कि उस का नाम 13 अप्रैल, 1987 से 30 अप्रैल, 1987 तक नालू-जैल रास्ते के निर्माण में मजदूर के रूप में दिखा कर उसे 204/-रु0 की झूठी अदायगी दिखाई है जब कि उस ने कभी भी मजदूरी नहीं की और न ही कोई राशि प्राप्त की ।

और यह कि प्रधान पंचायत ने आछ-बडौण रास्ता के निर्माण में लग सब मजदूरों को मजदूरी दी परन्तु श्री मथरा दास सपुत्र श्री बसाख राम मजदूर को 228/-रु0 की मजदूरी न देकर भेदभाव करके सत्ता का दुरुपयोग किया है ।

अतः मैं, एस0 के0 जस्टा, अतिरिक्त उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 के अन्तर्गत बने नियम 1971 के नियम 77 के अनुसार प्रधान श्री बृज लाल को कारण

बताओ नोटिस जारी करता हूँ कि वह उपरोक्त आरोपों के प्रति इस पत्र के मिलन के दस दिनों के भीतर-भीतर उत्तर अधोहस्ताक्षरी के पास अवश्य पहुँच जाने चाहिये ।

एस 0 के 0 जस्टा,
अतिरिक्त उपायकत,
मण्डी, जिला मण्डी ।

OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER, MANDI. DISTRICT MANDI, H. P.

OFFICE ORDERS

Mandi, the 21st November, 1988

No. PCN-MND-A(1)61/85-4908.—In exercise of the powers vested in me under the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1988 and Rules made under theretc, I, S. K. Justa, Additional Deputy Commissioner, Mandi District Mandi declare the vacant seat of Shri Hem Singh, Panch, Ward No. 2, Gram Panchayat Ner, Dev. Block Mandi Sadar, District Mandi due to his resignation.

Mandi, the 21st November, 1988

No. PCN-MND-A(161)/85-495.—In exercise of the powers vested in me under Rule 19(B) of the Himachal Pradesh Gram Panchayat Rules, 1971 (read with notification No. PCH-HB (2)-19/76 dated 15th January, 1982) I, S. K. Justa, Additional Deputy Commissioner, Mandi, District Mandi hereby accept the resignation of Shri Hem Singh, Panch, Ward No. 2—Dharwahan, Gram Panchayat Ner, Dev. Block Mandi Sadar, District Mandi Himachal, Pradesh with immediate effect.

S. K. JUSTA,
Additional Deputy Commissioner,
Mandi, District Mandi.